ग्रीनफील्ड परियोजनाओं को लगाने में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंचा

विदेशी निवेश आकर्षित करने वाले शीर्ष 20 देशों की सूची में देश आठवें स्थान पर

अंकटाड की रिपोर्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : नए निवेश आकर्षित करने में भारत की स्थिति सुधर रही है और वर्ष 2017 के बाद से हर वर्ष यहां होने वाले विदेशी निवेश की राशि बढ़ रही है। यह ठीक है कि अभी भी बहुत सारे देश एफडीआइ आकर्षित करने के मामले में भारत से काफी आगे हैं, लेकिन ग्रीनफील्ड परियोजनाओं (बिल्कुल नई परियोजना) को लगाने में और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय समझौते करने में भारत की स्थिति अच्छी हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी अंकटाड की तरफ से जारी विश्व इकोनमिक रिपोर्ट, 2023 बताती है कि ग्रीनफील्ड परियोजनाओं को लगाने में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है जबकि अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं को अंतिम रूप देने वाले वित्तीय समझौतों के मामले में भारत दूसरे स्थान पर है। यह रिपोर्ट वर्ष 2022 के बारे में है।

वर्ष, 2021 और वर्ष, 2022 में भारत सबसे ज्यादा विदेशी निवेश आकर्षित करने वाले शीर्ष 20 देशों की सूची में आठवें स्थान पर रहा है। इन दोनों वर्षों में भारत में क्रमशः 49 और 41 अरब डालर का निवेश हुआ। अमेरिका पहले स्थान पर (285 और 388 अरब डालर) और चीन दूसरे स्थान पर (189 व 181 अरब डालर) है। रिपोर्ट में वर्ष, 2022 में भारत में होने वाले दो बड़े निवेशों (फाक्सकान व वेदांता की तरफ से चिप मैन्यूफैक्चरिंग इकाई स्थापित करने के लिए 19 अरब डालर और टोटल व अदाणी समूह की पांच अरब डालर की ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना) का जिक्र है।

वर्ष, 2022 में 1008 ग्रीनफील्ड परियोजनाएं लगाने की घोषणा हुई

अंतरराष्ट्रीय ग्रीनफील्ड परियोजनाओं को परिसंपतियों के निर्माण के मामले में सबसे मजबूत पक्ष के तौर पर देखा जाता है। इसका मतलब होता है कि विदेशी कंपनियां किस देश में कितनी नई परियोजनाएं लगा रही हैं। भारत में वर्ष, 2022 में 1008 ग्रीनफील्ड परियोजना लगाने की घोषणा हुई है। भारत से ज्यादा सिर्फ अमेरिका (2075) और ब्रिटेन (1230) परियोजनाएं लगाई गई हैं। भारत में लगने वाली ग्रीनफील्ड परियोजनाओं की संख्या एक वर्ष में 67 प्रतिशत बढ़ी है। इसी तरह से विदेशी निवेश परियोजनाओं से जुड़े वित्तीय समझौते को अंतिम रूप देने में भारत दूसरे स्थान पर है। भारत में इस तरह की 187 परियोजनाओं को अंतिम रूप दिया गया है। 301 समझौतों के साथ अमेरिका पहले स्थान पर है।

विदेश में निवेश के मामले में भारत काफी पीछे

दूसरे देशों में निवेश करने के मामले में भारत कई देशों से काफी पीछे है। वर्ष 2021 में भारतीय कंपनियों ने विदेशों में 15 अरब डालर का और वर्ष 2022 में 17 अरब डालर का निवेश किया है। 373 अरब डालर और 350 अरब डालर के साथ अमेरिकी कंपनियां पहले स्थान पर हैं जबकि 147 व 179 अरब डालर के निवेश के साथ चीन तीसरे स्थान पर है।